

ऐसी चुनरी तू रंग दे ओ रंगले माँ को ओढ़ाऊँ शीश झुकाकर



ऐसी चुनरी तू रंग दे ओ रंगले,
माँ को ओढ़ाऊँ शीश झुकाकर,
तेरे नाम की भी मैं अर्ज करूँगा,
माँ को मनाऊँ चुनड़ी उढ़ाकर।bd।

तर्ज – और इस दिल में।

एक तरफ शंकर जी हो,
संग में हो पारवती जी,
एक तरफ रिद्धि सिद्धि,
संग गणेश जी भी,
देते हो आशीष सभी को,
मूरत ऐसी बनाना,
तू मूरत ऐसी बनाना,
होता नहीं है अब इंतजार,
अच्छी सी चुनरी,
तू देना सजाकर,
माँ को मनाऊँ चुनड़ी उढ़ाकर।bd।

एक तरफ राम जी हो,
संग में हो सीता मैया,
एक तरफ चंवर ढुलाते,
खड़े हो लक्ष्मण भैया,
गदा हाथ में लेकर संग में,
हनुमान को लाना,
तू हनुमान को लाना,
वन में खड़े हो सुन्दर प्राणी,
फल फूलों की डाल की बनाकर,
माँ को मनाऊँ चुनड़ी उढ़ाकर।bd।

एक तरफ कृष्ण कन्हैया,
संग में हो राधा प्यारी,
एक तरफ ग्वाल बाल हो,
एक तरफ गोपियाँ सारी,
हाथ बांसुरी कान्हा के हो,
गव्वे चरती दिखाना,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी ऑफलाइन मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सबके मन को मोहते कन्हैया,
बंसी की प्यारी तान सुनाकर,
माँ को मनाऊं चुनड़ी उढ़ाकर।bd।

ब्रम्हा विष्णु के संग,
देव बैठे हो सारे,
'पिटू' गुणगान माँ का,
करे लाके जयकारे,
अमन चैन का देते हुए,
पैगाम सभी को दिखाना,
पैगाम सभी को दिखाना,
नर नारी हो बैठे भवन में,
'डायर' सुनाए भजन ये गाकर,
माँ को मनाऊं चुनड़ी उढ़ाकर।bd।

ऐसी चुनरी तू रंग दे ओ रंगले,
माँ को ओढ़ाऊं शीश झुकाकर,
तेरे नाम की भी मैं अर्ज करूँगा,
माँ को मनाऊं चुनड़ी उढ़ाकर।bd।

Singer – Sunil Daya Namdev
